

दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति कार्यक्रम में बतोर मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी ने की सहभागिता

आज ही के दिन 2003 में भारत ले पाठियासाल के लाय राजबलिक संवादों को विज जाएंगे का ऐलान किया था।



दृश्यार कोड
लेज कर
पढ़ने वेलिक
नास्कर पर

दैनिक भास्कर

देश का विश्वासीय अखबार

नंदा : वै-०८, ३४५-३१२ भवन, ०२ वर्ष २०२२ | मुल पृष्ठ १८ मुद्रा ३.०० रुपये

झासी, लोहा, लकड़ी और देहरादून से प्रकाशित



मालिखू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति

श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि

भास्कर व्यूरो

गुरुग्राम। रविवार को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिखू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। इसमें लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बढ़-चढ़कर इस गीता अमृतमहोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और श्रीमती साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ श्रीमती साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी



प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिखू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक पुस्तक कमीट द गैड मैनी ए टाइम (मॉडरन भगवत गीता) का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने कहा कि, हयज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय

है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, हयज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय

टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लूथरा, सीए लुकेश सेठी, राधे श्याम, ओम प्रकाश गाबा, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील सिंह, विनोद शर्मा, दीपक प्रुथि, योग गुरु मंजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुशील गोयल, रमन जिंदल, पारुल शर्मा, श्रीमती काश, वीणा गांधी और एकता गोयल

हित्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य योगदान रहा। इस भक्तिमय आयोजन में धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, गजेंद्र गोसाई, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना

बजाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

यमुना
प्रथम तेल,

सर्वसाधा

जिलाधि

1125/१

मतक स

गीतमुद्धि

ग्राम का

नाम

जगन्नपुर

अफजलतपुर

PIC•COLLAGE

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ

गुडगांव, 1 मई
ब्यूरो): गीता मनीषी स्वामी
ज्ञानानंद महाराज के शिष्य
श्रीजी लोकेशव द्वारा
संचालित श्री कृष्ण
गुरुकुल और श्री सनातन
धर्म सभा मालिबू टाउन ने
मिलकर 108 कुण्डीय
गीता महायज्ञ का सफल



कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि बोधराज सीकारी
का स्वागत करते हुए।

आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों
की उपस्थिति में लोगों ने बढ़-
चढ़कर इस गीता अमृतमहोत्सव में
भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी
ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता
के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता
महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और
साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय
तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन
स्तुति के भावों के साथ-साथ साक्षी
ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए।
इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने
शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और
सबके मन को मोह लिया। समाजसेवी
बोधराज सीकारी मुख्य अतिथि के तौर

पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्ति
कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की
प्रशंसा की। कहा कि यज्ञ की शक्ति
को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत
चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन
में अपने धर्म की शक्ति को जानना
बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने
ग्रन्थों का सिफ़ अध्ययन ही कर लो
तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव
होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरांत
स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका
चिंतन भी किया जाए। गीता में हर
समस्या का समाधान है चाहे वो
व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या
व्यक्तिगत समस्या हो।

देव के सरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति

देव के सरी / अरविंद चन्दन

गुरुग्राम। 30 अप्रैल, रविवार को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बढ़-चढ़कर इस गीता अमृतमहोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और श्रीमती साक्षी ने बहुत सी भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति



के भावों के साथ-साथ श्रीमती साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दैरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगें, बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, पंथन और उसका चितन भी किया जाए।

गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक ट्रिप्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे धरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों ख़राब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत

अमर भारती

लक्षण



एक उम्मीद

108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजित

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिखू टाडन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों ने यढ़-चढ़कर इस गीता अमृत महोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य छोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और साक्षी ने यहुत ही धावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के धावों के साथ-साथ साक्षी ने सुंदर-सुंदर घजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिखू टाडन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर समाजसेवी योधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और



उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भ्रुताते जा रहे हैं, जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना यहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को यहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, यशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और

उसका चिंतन भी किया जाए। उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक पुस्तक का भी विमोचन योधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति

- श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री समातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि
- आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रन्थों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चित्तन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी



ह्यूमन इंडिया/सूर्यो
शुद्धारा। लेखक की गीता दीक्षित स्नानी झारांद भारत के विषय की लोकेश्वर द्वारा वंचात्मित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री समातन धर्म सभा गीता मालिबू टाउन ने विश्वकरण 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का गापन सम्बोधन किया। लक्षण्य 200 वरिकर्मी जी गायत्री विद्वत् में लोगों ने बहु-वर्गमय इस गीता आयोजकालीन में वाच दिव्य और गीता मासी द्वारा गायन-द्वारा महायज्ञ के द्वाग दीक्षित स्नानी के कामन स्वीकृतों के द्वाग गीता महायज्ञ किया। श्रीनीवास की दीक्षित श्रीमती साहनी ने बहु-दी गायन-द्वारा दीक्षित गीतों से यह कारबोल और अन्त शुद्धि के फलों के साथ दीक्षित साहनी ने सुर-सुर भजन भी असृष्ट किए। इस दीक्षित गायन-द्वारा ने जिन गुरु को शुद्ध प्रश्नाओं दी और सक्षम का नाम को लोह तिथा। इस अवसर पर योगदानी दीक्षित सीकरी गुरु भवित्व के दी एवं उपर्युक्त दी और उद्दीपन दी कुरुक्षेत्र से गहराया और अन्त शुद्धि भी प्रस्तुत की। उद्दीपन कारो दी, वह की ताकि जो हाय भूत्वे जा छे हैं जोकि अवसर दीक्षित का विषय है। मनुष्य की जीवन में अपने धर्म को संकल्प नहीं

जानना चाहु अवश्यक है। अगर आप अपने धर्मों का विष्ट अवश्यक ही कर तो तो आप को बहु दी विष्ट भगुव लोगे लगें, वहाँ अवश्यक उपर्युक्त नामावाय, समीक्षा, अवधारणा और अपने नाम जीवन में इर सम्बन्ध का सामाजिक है जहाँ जो न्यायालीक हो वह अवश्यक हो वह अविकाश समझा जाए।

बोधराज सीकरी ने गीतों के द्वारे अवश्यक के दीक्षित स्नानी को सिलार पूर्णक विद्वेषकाल द्वारा कोष दी। उद्दीपन कारो दी, वह की ताकि जो हाय भूत्वे जा छे हैं जोकि अवसर दीक्षित का विषय है। मनुष्य की जीवन में अपने धर्म को संकल्प नहीं

से संख्य, वह की निरोद्धा और धर्मार्थ द्वारा का भयल करना और साथ में उद्दीपन अनुन शुद्धि के बायाम में जब कल होगे योगी में जो जीवनी दीक्षित श्रीमती साहनी और अपने नामों से हाथरे रखें वही बहुत हो जाए है, इस पर एक सुरु वर्षान्त नामावाय प्रस्तुत किया जाए उसको कुछ अन्त नामावाय से कलन रूप में भी सुखील गोकल, रमा विदेश, पारुल लाल, श्रीमती भाज्जा, नीमा गोदी और एक गोकल जूलाहि का भी इस अवोनन में सुन चौपावा द्वा। इस अविकाश से गोदू वेस्ट, बाली बुर्कला, झोलाजा बर्बन और रमा बर्बन वर्षा काम्पा, गोदू वेस्ट, बाली बुर्कला, झोलाजा बर्बन और रमा बर्बन वर्षा के उपलिखि हो।

जगत क्रान्ति

द्वितीय 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति का आयोजन

जगत क्रान्ति १५ एकके अरोड़ा

गुरुग्राम : गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिनी टाइन द्वारा सामुहिक रूप से 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 200 से अधिक परिवारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और साक्षी ने संगीतमय शैली में यज्ञ संपन्न कराया। साक्षी ने भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मालिनी टाइन के बच्चों ने शिव नृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रन्थों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को

बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन



भी किया जाए। इस अवसर पर धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, गजेंद्र गोसाई, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अलका दलाल, अश्विनी टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लूथरा, सीए लुकेश सेठी आदि मौजूद रहे।

भारत सरथी

**मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108
कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति**



प्राचीन राजस्थानी

बुद्धिमान। उन्होंने भी गोपा
लीयी स्थापी जगत्कर्ता व्यवस्थ के
तिनि शीर्षी लोकेन्द्र मध्य एवं उत्तरित
की बृहत् पुस्तक लोकी लोकान्
पर्यं सुधा वास्तुम् टारन ने लिख्या
108 कुण्डली गोपा महापथ का
सफल आवेदन मिथ्या। लक्षणम्
पूर्ण वास्तुम् की उपस्थिति वा
ने नक्-नक्कर इह गोपा
मायावास्तुम् एवं वाच विद्या एवं
कुण्डली गोपा जगत्कर्ता व्यवस्थ
के द्वाय गोपा महापथ मिथ्या। शीर्षी
लोकेन्द्र गोपा लोकी गोपा ने बहुत
दी भावान्वय संस्तुतम् वर्षके से यह
कारनामा एवं अनेक वास्तुम्

के साथ-साथ शीर्षकी साथी ने

मूर्त-मूर्त भक्त भी प्रत्युष निरा
इय उत्तम वाणीं ठाके जनों ने
विष गुण को मूर्ति बनाए तो वीर
जगत् भक्त यो वेद सिधा। इय
महामार एव सामाजिकी योग्यता
सीखी मूल अवधि के लो पर
ठारपालक हो और उठाने वी कृष्ण
देख ये बहुत अधि एवं सूक्ष्म विष की
प्रविष्टि नो। उठानीं बद्ध कि, यदि नी
तांशों को हात पूछते वा दें तो योंके
अवधि विश्वा निषिद्ध है। मानव को
जीवन में अपने वाले कहीं को
बहुत अवश्यक है। अगर
उप अपने द्वारा का विष अवश्यन
ही कर दो तो यह काम एवं बहुत ही
निषिद्ध है। अपनी अपनी लोगों
जबकि

आश्वान ग्रन्थालय संस्थापन, मुमीका, कर्ण

श्री कृष्ण गुरुकृत और
श्री सनातन धर्म सभा
मालिकू टाउन दारा
आयोगित कार्यक्रम में
बोधवाज सीकरी बने
मथु अविदि

आलंबोष के लिए
धार्मिक ग्रंथों का
स्वाध्याय, समीक्षा, मन्त्रन
और वित्तन परम
आदर्शक : बौद्धसाज
सीकरी

दोने गती सामग्रियों वाले अपने बच्चों से हमारी रिसोर्सों की अवधि हो जाती है, इसका एक फूट नकल करके प्रयोग किया जाता रहता क्योंकि अन्य संस्कृत से उनका रूप भी बदलता है। इस अवसर पर जीवी लीकार्ट्स को एक प्रूफल कैट MET THE GOD MANY A TIMES (The Modern Bagwan Gita) का भी प्रियांक बोल्डेन लीकार्ट के हाथों से काढ़ा गया।

इस दीक्षा निवापि अविदि के
रूप में उपर्युक्त प्रक्रम सुनूने वै
अपने निवापि रूपे, अतःका दोहरा,
दोहरा टटन, गंगाने सोल्हने,
संचीव लालन, सोल्हने देखी, एवं
स्थाप, ओं प्रकाश गज, औषध
लाल, विकास भोजन, सुखी दिन,
निवेद रूपी, देवकु पूजा, गंगा पूजा
पूज लाल, पाण्डु विजय चरित्रके
सुखीत धोका, रथ विलक्षण
लाल, श्रीमती भवत, लोका विही अंडे
एक बोकत दृश्यमान आ थे इन
जयनीवन में मूलन विद्युती काल। इस
प्रकाशन जयनीवन में पाठ्य विद्यान,
ऐसा कामण, गवेद देवोत्तम, वरदीन
कुरुक्षेत्र, व्यक्तिका विवर अंडे
उपर्युक्ति है।

गुडगांव दुडे

मालिबूटाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ

- आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी।
- गीता महायज्ञ के दौरान अर्जुन स्तुति भी की गई।

गुडगांव दुडे, गुरुग्राम

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानांद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वापर संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबूटाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया।

लगभग 200 परिवारों ने बढ़-चढ़कर इस गीता अमृत महोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी



ज्ञानांद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय लक्षण से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबूटाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया। इस अवसर पर समाजसेवी

बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुकु कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति को प्रशंसन किया। उन्होंने कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भूलते जा रहे हैं, जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिफक अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे,



बच्चों अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते को खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा

गीता के दूसरे उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक पुस्तक का पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते को खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा इस आयोजन में मुख्य योगदान रहा।

इस भवित्वमय आयोजन में धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामा, गणेश गोसाई, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना बजाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फतेहाबाद से प्रकाशित

पार्यनियर

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ



गुरुग्राम में गीता महायज्ञ के दोरान पुलक का विमोचन करते समाजसेवी बोधराज सोकरी।

पार्यनियर समाचार सेवा | गुरुग्राम

गीता महायज्ञ के दौरान अर्जुन स्तुति भी की गई

गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकूल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया।

लगभग 200 परिवारों ने बहुचक्र इस गीता अमृत महोत्सव में व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद महाराज के द्वारा गचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और साथी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ साथी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दोरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृलक्ष्मी सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को महायज्ञ को महायज्ञ लिया।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हो और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति को प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भूलते जा रहे हैं, जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को शक्ति को विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से जानना बहुत आवश्यक है। आप आप अपने ग्रन्थों का सिर्फ़ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट सलूजा ने भी अपने विचार रखे।

यज्ञ और देवताओं का जीवन में

सफलता से संबंध यज्ञ का निरंतरता

और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया

और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के

माध्यम से आज कल हमारे चाहे में होने

वाली समस्याओं और अपने बच्चों से

हमारे रिते व्यावाहारिक हो जाते हैं, इस

पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा

उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य

रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर

श्रीजी लोकेशव की एक पुस्तक का भी

विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से

करवाया गया। इस दोरान विशिष्ट

अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद

सलूजा ने भी अपने विचार रखे।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता
गुरुग्राम। 30 अप्रैल, शिवर को गीता
मीणी स्नानी ज्ञानानन्द महाराज के शिष्य श्रीजी
लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और
श्री समान धर्म सभा मालिन् टाउन ने मिलकर
108 कृष्णीय गीता मध्यवर्ज का सफल
आयोजन किया। लगभग 200 परिवर्तों की
उपस्थिति में लोगों ने बहु-चक्र द्वारा गीता
अनुत्मानोत्सव में भाग लिया और गीता मीणी
स्नानी ज्ञानानन्द महाराज के द्वारा गंचत गीता के
काव्य श्लोकों के द्वारा गीता मध्यवर्ज किया।
श्रीजी लोकेशव और श्रीमती संश्ली ने बहुत ही
भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और
अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ श्रीमती
सांश्ली ने सुनूर-सुनूर भजन भी प्रस्तुत किए। इस
दीर्घनामालिन् टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की
सुरु प्रस्तुति दी और सबके मन को पोहँ लिया।

इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज
सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थिति से
और उन्होंने भी मुक्त करने से मध्यवर्ज और
अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि,
+यह को शक्ति को हम भूलते जा रहे हैं जोकि
अतिर चिंता का चिन्ह है। मध्य को जीवन में
आपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत
आवश्यक है। आग आप अपने ग्रंथों का सिर्फ
अध्ययन ही नह ले तो आप को बहुत ही
विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशते अध्ययन
उपरात स्नान्याय, समीक्षा, मथन और उसका



चिंतन भी किया जाएगीता में हर समस्या का
समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या
व्याकल्पिक हो या ज्याक्तिगत समस्या हो।

बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय

के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक
विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि
लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अध्यास हो।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ

और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध,
यज्ञ की विरतता और भावपूर्ण प्रस्तुति का
महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति
के माध्यम से आज कल हमारे घरों में जेमे
बाली समस्ताओं और अपने बच्चों से हमारे
शिरे नयों खुराक हो जाते हैं, इस पर एक सुन्दर
वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा उन्होंने कृष्ण अर्जुन
संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक
पुस्तक I MET THE GOD MANY A
TIMES (The Modern Bagwat Gita) का भी विमोचन बोधराज सीकरी के
लिये करवाया गया।

इस दीर्घनामालिन् टाउन के रूप में
उपस्थित प्रग्मोद सलूजा ने भी अपने विचार
रखे, अल्पांतर दलाल, अश्वनी टन्डल, अनेश
कोहली, संजीव लूधरा, सोए लुकेश सेठी, राधे
स्थाम, ओम प्रकाश गांवा, उमस शर्मा, निकास
गोयल, सुनील सिंह, विनाद शर्मा, दीपक पाथि,
योग गुह शर्मा, भारत विकास पांडेद के
सुशील गोयल, राम जिल, पास्ल शर्मा,
श्रीमती कला, वीणा गांधी और एकता गोयल
द्वारा दियाद का भी इस आयोजन में मुख्य योगदान
रखा।

इस भावतमय आयोजन में धर्मेंद्र बजाज,
रोश कामण, गजेंद्र गोसाई, जगदीश कुमारेजा,
ज्योत्स्ना बजाज और रवना बजाज की
गरिमापूर्ण उपस्थिति रही।

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

भिलानी, चट्टीगढ़, हिमार से एक साथ प्रकाशित

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

वर्ष : 14 अंक : 313

मिवानी मंगलवार 02 मई 2023

मूल्य : 3.00 रुपय

7:13 AM ✓

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ

गीता महायज्ञ के दौरान
अर्जुन स्तुति भी की गई

गुरुग्राम(राकेश)। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों ने बढ़-चढ़कर इस गीता अमृत महोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्री जी लोकेशव और साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ साक्षी ने सुंदर-सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया।

इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यज्ञ की शक्ति को हम भुलाते जा रहे हैं, जोकि अत्यंत



चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए। गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे धरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खराब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा उसको कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक पृष्ठक का भी विमोचन बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार AM जै

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

मंगलवार

गुरुग्राम

दिनांक : 2/5/23

आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी



मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय
गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति।

श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू
टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी
बने मुख्य अतिथि।

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम 30 अप्रैल, रविवार को गीता
मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा
संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन ने
मिलकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया।
लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बढ़-चढ़कर इस गीता
अमृतमहोत्सव में भाग लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज
के द्वारा रचित गीता के काव्य श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया।

श्रीजी लोकेशव और श्रीमती साक्षी ने बहुत ही भावपूर्ण संगीतमय तरीके
से यज्ञ करवाया और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ—साथ श्रीमती साक्षी
ने सुंदर—सुंदर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के
बच्चों ने शिव नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी और सबके मन को मोह लिया।
इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी मुख्य अतिथि के तौर पर
उपस्थित रहे और उन्होंने भी मुक्त कंठ से महायज्ञ और अर्जुन स्तुति की
प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, “यज्ञ की शक्ति को हम भूलाते जा रहे हैं
जोकि अत्यंत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की
शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ
अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव होने लगेंगे,
बशर्ते अध्ययन उपरांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी
किया जाए गीता में हर समस्या का समाधान है चाहे वो व्यापारिक हो
या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता
के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक
दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का
अभ्यास हो। इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ और देवताओं का
जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का
महत्व बताया और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आज कल
हमारे घरों में होने वाली समस्याओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों
ख़राब हो जाते हैं, इस पर एक सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा उसको
कृष्ण अर्जुन संवाद से काव्य रूप में भी जोड़ा।

इस अवसर पर श्रीजी लोकेशव की एक पुस्तक का भी विमोचन
बोधराज सीकरी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि
के रूप में उपस्थित प्रमोद सलूजा ने भी अपने विचार रखे, अलका
दलाल, अश्वनी टन्डन, अनीश कोहली, संजीव लूधरा, सीए लुकेश
सेठी, राधे श्याम, ओम प्रकाश गावा, उमेश शर्मा, विकास गोयल, सुनील
सिंह, विनोद शर्मा, दीपक पुष्टि, योग गुरु मंजु शर्मा, भारत विकास
परिषद के सुशील गोयल, रमन जिंदल, पारुल शर्मा, श्रीमती काश,
वीणा गांधी और एकता गोयल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य
योगदान रहा। इस भक्तिमय आयोजन में धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा,
गजेंद्र गोसाई, जगदीश कुकरेजा, ज्योत्सना बजाज और रचना बजाज
की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बुलंद रवींजा

गोपीनाथ दिल्ली वैदिक व्यापाराम

मालिबू टाउन में हुआ द्वितीय 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति का आयोजन

आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश

कुमार। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के शिष्य श्रीजी लोकेशव द्वारा संचालित श्री कृष्ण गुरुकुल और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा सामाजिक रूप से 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 200 से अधिक परिवारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के द्वारा रचित गीता के काव्य स्तोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। श्रीजी लोकेशव और साथी ने संगीतमय शैली में यज्ञ संपन्न कराया। साथी ने भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रग्राहण कर दिया। मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि के स्वर में शामिल हुए हरियाणा गज्य सीएसआर ट्रस्ट के उगाच्छ व पंजाबी विरादी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी



कार्यक्रम में शामिल अतिथि का स्वागत करते आयोजक।

ने आयोजन की संरक्षणा करते हुए कहा कि यज्ञ की शक्ति को द्या भूलते जा स्के हैं जोकि अल्पत चिंता का विषय है। मनुष्य को जीवन में अपने धर्म की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है। अगर आप अपने ग्रंथों का सिर्फ अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशिष्ट अनुभव हेने लगेंगे, बल्कि अध्ययन तारांत स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और उसका चिंतन भी किया जाए। गीता में

हर समस्या का समाधान है जाहे वो व्यापारिक हो या व्यावहारिक हो या व्यक्तिगत समस्या हो। बोधराज सीकरी ने गीता के दूसरे अध्याय के 10वें स्तोक को विस्तार पूर्वक विवेचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न रहने का अभ्यास हो। श्रीजी लोकेशव ने यज्ञ और देवताओं का जीवन में सफलता से संबंध, यज्ञ की निरंतरता और भावपूर्ण प्रस्तुति का महत्व बताया।

आपन सर्

मालिखा टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कृष्णीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति

आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी

ओपन सर्व/ विशेष संवाददाता
सत्त्वीर भारद्वाज

गुरुग्राम इण्डियार को गीता गीतों स्वार्थी ज्ञानवेद महायज्ञ के शिष्य श्रीजी लोकेश द्वारा संसालिया श्री कृष्ण मुख्य कुल और श्री सानातन धर्म सभा गालिखा टाउन ने शिलांक 108 कृष्णीय गीता महायज्ञ का सफलता आयोजन किया। लगभग 200 शिष्यों वाली उपस्थिति में लोगों ने नई-नए कर दिए गीता व्यापाराकारकरण में भाग लिया और गीता भवीतमयी ज्ञानवेद महायज्ञ के द्वारा रीकृत गीता के कानून स्तोत्रों के द्वारा गीता महायज्ञ किया।

श्रीजी लोकेश और श्रीमती सार्थी ने नहुन ही ज्ञानवेद संसाधन लोकों से यह कार्य और अर्जुन स्तुति के भावों के साथ-साथ श्रीकृष्णीयां ने मुद्र-सुन्दर फलों भी प्रस्तुत किए। इस दीयान मालिखा टाउन के नवनों ने शिष्य नृच जी सूटर प्रस्तुति दी और सबके मालों को महोदिया। इस अवसर पर सामाजिक वोपदान सोकरी मुख्य व्यक्तियों के तीर पर उपस्थित हो और उन्होंने भी मुख्य कहने से घाटवाल और अर्जुन स्तुति की प्रसंसन की। उन्होंने कहा कि, “वह की रक्षा को इन भूमों वाले हैं हैं जोकि अकंक निता का विषय है। भालूर्ध प्रस्तुति का गहलत बहुत

■ श्री कृष्ण मुख्य
और श्री सानातन धर्म
सभा मालिखा टाउन
द्वारा आयोजित
कार्यक्रम में बोधराज
सीकरी बने मुख्य
अतिथि



और साथ में उन्होंने अर्जुन स्तुति के माध्यम से आन कल हमारे भरों में होने वाली समस्कारी और अपने बन्धों से ढापो रिसे कर्मों त्वरण हो जाते हैं। इस पर एक मुद्र नवलन्य प्रस्तुति क्षिया व्यापारकों कृष्ण अर्जुन संवाद से कानून रूप में भी जोड़ा। इस अवसर पर श्रीजी लोकेश वाल की एक पुस्तक I MET THE GOD MANY A TIMES (The Modern Bagwati Gita) का भी विमोचन लोकान सीकरी के हाथों से कार्याय गया। इस दीयान मालिखा टाउन अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेट सल्तना ने भी अपने विचार रखे, अपका लक्षण, अपकी टाट्ट्व, अनीश नाम, संजीव लूप, सीए लुकेला सेन्ट्रे, योग योग, योग प्रवरता गाना, डमेस शर्मा, विकास गोपल, मुमील छिं, विकेंद्र शर्मा, दीपक श्रीव, योग युवा भेजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुरील गोपल, रमन विंडल, पालल शर्मा, श्रीनीवास कार्स, योग गोपल और एकड़ गोपल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य वोगदान रहा। इस अवसर पर श्रीजी लोकेश वाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दैनिक उजाला आज तक

मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक

गुरुग्राम में गीता मनीषी रखमी ज्ञाननंद महाराज के लिए लोकेश्वर द्वारा संवालित श्री कृष्ण गुरुबुल और श्री सनातन धर्म रमा मालिबू टाउन ने विवरकर 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ का सफल आयोजन किया। लगभग 200 परिवारों की उपस्थिति में लोगों ने बढ़-बढ़कर इस गीता अमृतमहोस्तव में भाग लिया और गीता मनीषी रखमी ज्ञाननंद महाराज के द्वारा रखिए गीता के कल्प श्लोकों के द्वारा गीता महायज्ञ किया। लोकेश्वर और सभी ने बहुत ही भाववूर्ण संगीतमय तरीके से यज्ञ करवाया और अज्ञुन स्तुति के भावों के साथ-साथ श्रीमती राधी ने सुन्दर-सुन्दर भजन भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मालिबू टाउन के बच्चों ने शिव नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति

दी और सबके मन को खोल लिया।

इस अवसर पर समाजसेवी बोराज शीकारी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थिति हो और उन्होंने भी मुकुट कट रो महाब और अज्ञन स्तुति की प्रशस्ता की। उन्होंने कहा कि, इयज्ञ की शक्ति को हम भूलते जा सकते हैं जोकि अर्थत् वित्त का विषय है। मनुष्य को जीन में अपने वर्षों की शक्ति को जानना बहुत आवश्यक है।

अग्र आप अपने ग्रंथों का सिफ़

अध्ययन ही कर लो तो आप को बहुत ही विशेष अनुभव होने लगेंगे, बशर्ते अध्ययन उपरात स्वाध्याय, समीक्षा, यज्ञ और उपका वित्त भी किया जाए गीता में हर समस्या का समाधान है वहोंने व्याख्यातिक हो या व्याख्यातिक हो या व्यक्तिगत



समस्या हो।

बोराज शीकारी ने गीता के दूसरे अध्याय के दसवें श्लोक को विसरार पूर्वक विवेकानन्द शिष्टिकोण से प्रस्तुत किया ताकि लोगों को जीवन में प्रसन्न स्वने का अध्यास हो।

इस अवसर पर लोकेश्वर ने यज्ञ और वेष्टाओं का जीन में सकृदाना से संबंध, यज्ञ की निरतता और भावरूप प्रस्तुति का महत बताया और साथ में उन्होंने अज्ञन स्तुति के माध्यम से आज कल हमारे घरों में होने वाली समसराओं और अपने बच्चों से हमारे रिश्ते क्यों खुराब हो जाते हैं, इस पर एक सुन्दर कथावाचक प्रस्तुत किया रखा उनको कृष्ण अज्ञुन संवाद से कथावाचक हो जाता है।

इस अवसर पर लोकेश्वर की एक पुस्तक का भी

दियोग्यन बोराज शीकारी के हाथों से करवाया गया। इस दौरान विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेट जस्तुजा ने भी अपने विचार रखे, अलका दत्तात्रे, अश्वनी रुद्रन, अनीश कोहली, सजीव लुट्टा, सोए लुक्मण सेठी, राधे श्याम, और प्रकाश गावा, आपस शर्मी, विकास गोयल, सुनील सिंह, विनोद शर्मा, लोकक प्रूषि, योग मुखु मंजु शर्मा, भारत विकास परिषद के सुशील गोयल, रमन जिल्ड, पासल शर्मा, श्रीमती काश, लीणा गाली और एकता गोयल इत्यादि का भी इस आयोजन में मुख्य वोगदान दिया।

इस भक्तिमय आयोजन में धर्मेंद्र बनाज, रोशन कामा, गजेंद्र गोसाई, जगदीश कुकरेज, ज्ञातसा कुकरेज और रवना कुकरेज की मार्यामारी उपस्थिति रही।



मालिबू टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति।

By ajeybharat · Monday, May 01, 2023

श्री कृष्ण गुरुकृत और श्री सनातन धर्म सभा मालिबू टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोधराज सीकरी बने मुख्य अतिथि।



आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चितन परम आवश्यक : बोधराज सीकरी



POSTED

Bodhraj Sikri – आत्मबोध के लिए धार्मिक ग्रंथों का स्वाध्याय, समीक्षा, मंथन और चिंतन परम आवश्यक



Viral Sach

May 6, 2022

See Comments

6



2 minute read



Viral Sach - गुरुग्राम। Bodhraj Sikri - देविशर को गीत मनोदी सुनायी ज्ञानानन्द महाराज के लिए श्रीलंका लौकिक स्थानों तथा लंबातित ही कृष्ण गुलकूत और श्री लन्दन भव्य सभा मालिनी टाउन ने गिलकर 103 कुप्तीय गीत महापुरुष का सफल आयोजन किया। अम्बा 200 परिवारों की उम्मीदी दे लोगों ने इस ग्रहण इस गीत अनुष्ठान में भाग लिया और गीत मनोदी ज्ञानानन्द महाराज के शुद्ध गीत गीत के बाहर योगी के शुद्ध गीत महाराज लिया।

Bharat Sarathi

A Complete News Website

मालिखा टाउन गुरुग्राम में हुआ दूसरा 108 कुण्डीय गीता महायज्ञ और अर्जुन स्तुति

श्री कृष्ण गुरुकृष्ण और श्री सनातन भर्ग सभा यातिन टाउन द्वारा आवीर्णित कार्बोक्सी बैंगोपराज सीकरी बने प्रथम अस्थिए।

आत्मनीति के लिए पारिंग ग्रंथों का स्वाभाव, समीक्षा, मंजूरी तोर सितुन पराय आवश्यक; बोहलज सीकरी

यह अवधार पर जलवायी की सूक्ष्म विवरणी सुना गया अभियान की ओर पर उत्तमता हो और असूखी की सूक्ष्म विवरण से विवरण और असूख विवरण की संबंधितता हो गई। इसीलिए बता दिये, “एक की अदृष्टि वाले हम भूलते हैं वह है जिसका अवधार विवरण का लिपाना है।” जलवायी की विवरण से असूख विवरण की अदृष्टि वाले जलवायी का अवधारणा है। अब अपने असूख का विवरण अवधारणा ही करते हैं अपने की वृद्धि ही विवरण अवधारणे से लगती होती है। अवधारणा वज्रवाया, वज्रवाया, वज्रवाया और उपवाया विवरण ही विवरण लाभवानिक हो है अवधारणा का मनोवाया है वह ही लाभवानिक हो या लाभवानिक नहीं लाभवानिक है।



सीधारा लोडरी ने गैरि के दूसरे प्रयत्न के दर्ता अपने वी विकास युक्त डिपेंसरिंग हॉटेलों के सम्बन्ध में जवाब दिया ताकि लोगों वी जीवन में इसका दृष्टि का विषय हो।

इस अवधि पर वीरी शिक्षित हो जाय और दैवतों का निर्मली से बदलता हो जाय, यह वीर लिंगदाता और अद्भुत शक्ति का सहज लकाया और वह जै उपर्युक्त विश्वास का लकाया होता है यहाँ में ही वीरी दाती दमदारों और असती वाली देखने वाली व्यक्ति बहुत ही नहीं है। इस पर एक सुन्दर वाचन वाला विवर उपलब्ध है जिसका अधिक विवरण देना आवश्यक नहीं लोगों।

मैं अपने पार की लोकेशन की दृश्य पुस्तक। MET THE GOD MANY A TIMES (The Modern Goddess Gita) जो ही विश्वास विभवा मीठाई के बोर्ड से बहुत अच्छी रूपीयता से उत्पन्न है।

परं पूर्वानुष्ठान के बाद जल्दी यहाँ आकर अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर